व्यापारिक डेयरी कृषि
(COMMERCIAL DAIRY FARMING)

दूध व दूध से निर्मित पदार्थ (जैसे–घी, मक्खन, पनीर आदि) के लिए दुधारू पशुओं के पालने के व्यवसाय को डेरी फार्मिंग या कृषि कहा जाता है। व्यापारिक दुग्ध पशुपालन सर्वाधिक विकसित कृषि अर्थव्यवस्था का एक स्पष्ट स्वरूप है, जिसके अन्तर्गत व्यापारिक स्तर पर दुग्ध व दुग्ध निर्मित पदार्थों का उत्पादन प्रमुख रूप से किया जाता है।

व्यापरिक डेयरी कृषि के प्रमुख क्षेत्र (Important Areas of Commercial Dairy Farming)

व्यापारिक डेयरी कृषि अर्थव्यवस्था के क्षेत्र प्रमुख रूप में समशीतोष्ण जलवायु में मिलते हैं। इन क्षेत्रों में निम्नलिखित क्षेत्र प्रमुख हैं–

1. **उत्तरी-पश्चिमी यूरोप**–इस क्षेत्र में डेनमार्क, नीदरलैण्ड, स्वीडन, स्विट्जरलैण्ड, बेल्जियम, इंग्लैण्ड तथा फ्रांस विश्व के महत्वपूर्ण दुग्ध उत्पादक देश स्थित हैं। इस भाग की नम जलवायु, उर्वर मिट्टी पर हरी-भरी घासों की उपलब्धता, नगरीय जनसंख्या के संकेन्द्रण आदि ने डेयरी पशुपालन व दुग्ध उत्पादन को बहुत अधिक उन्नत बनाया है। विश्व की सर्वाधिक उत्तम नस्ल की आयरशायर गायें दक्षिणी-पश्चिमी स्काटलैण्ड में मिलती हैं, जो एक वर्ष में 4500-5400 किग्रा. तक दूध देती हैं। फ्रांस के उत्तर-पश्चिमी तट के समीप चैनल द्वीपों में गार्नसे (Guernsey), जर्सी (Jersey) तथा एल्डरनी (Alderney) नस्ल की गायें मिलती हैं। उत्तरी-पश्चिमी नीदरलैण्ड के पोल्डर घास के मैदानों में फ्रीजियन (Friesian) नस्ल की गायें पाली जाती हैं। जर्मनी की होलिस्टीन (Holstein) तथा स्विट्जरलैण्ड की स्विस ब्राउन (Swiss Brown) गायें भी डेयरी उत्पादन में सबसे आगे हैं। यहाँ के नारमण्डी, फ्लैण्डर्स, पेरिस बेसिन, ब्रिटनी, रोन-डेल्टा तथा वेन्डी (Vendee) क्षेत्रों में व्यापरिक डेयरी फार्मिंग किया जाता है।

ग्रेट ब्रिटेन के स्काटलैण्ड की निचली घाटी, लंकाशायर व चेशायर मैदान, यार्क घाटी, हैम्पशायर बेसिन, दक्षिणी वेल्स के दक्षिणी भाग में व्यापारिक डेयरी पशुपालन होता है। डेनमार्क व नीदरलैण्ड की डेयरी पशुपालन कृषि अधिक वैज्ञानिक या यान्त्रिक है। फिनलैण्ड, नार्वे, बेल्जियम, इटली व रूस में भी डेयरी पशुपालन कृषि के क्षेत्र का विस्तार मिलता है। ये क्षेत्र अपनी स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति करके डेयरी पदार्थों का निर्यात भी करते हैं।

2. **उत्तरी अमेरिका**–दक्षिणी कनाडा तथा सयुंक्त अमेरिका का पूर्वी मध्य क्षेत्र दुग्ध पशुपालन कृषि की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। कनाडा में ओण्टारियो तथा सेन्टलारेंस के निचले प्रदेश में लम्बी घासों पर डेयरी पशु पाले जाते है। मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका के विस्कासिन, मिनीसोटा, ओहियो, मिशीगन तथा न्यू-इंग्लैण्ड क्षेत्र (मेन, न्यू हैम्पशायर, वरमाण्ट, मेसाचुसेट्स, कनेक्टीकट तथा रोड्स द्वीप) में बलुई मिट्टी में सूखी घासें (Hay) उगाई जाती हैं। इस क्षेत्र में सड़क व रेल यातायात का अच्छा विकास हुआ हैं, इसलिए दुग्ध उत्पादक व उपभोक्ता क्षेत्रों में गहरा सम्बन्ध है। इस क्षेत्र के बोस्टन, न्यूयार्क, फिलाडेल्फिया, माण्ट्रियल, टोरण्टो, डेट्रायट व शिकागो जैसे महानगरों में रहने वाली जनसंख्या ज्यादा दूध का ही प्रयोग करती हैं। विश्व में पनीर के उत्पादन में संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रथम स्थान है।

3. **न्यूजीलैण्ड**–व्यापारिक दुग्धोत्पादन कृषि में दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों में न्यूजीलैण्ड का प्रमुख स्थान है। न्यूजीलैण्ड के ऑकलैण्ड प्रायद्वीप, तराना की निम्न प्रदेश, वाइकाटो हउराकी जिला तथा पूर्वी तटवर्ती निम्न भूमि के बिखरे भागों में डेयरी पशुपालन का विकास हुआ है। इस देश में डेयरी विज्ञान से सम्बन्धित कई अनुसंधान केन्द्र हैं। न्यूजीलैण्ड के डेयरी उत्पादों को विदेशी बाजारों में भेजने से पहले कड़ी जाँच की जाती है। ब्रिटेन में न्यूजीलैण्ड के डेयरी उत्पादों का विस्तृत बाजार है। रेफ्रीजरेटर व जलयानों के विकास के कारण न्यूजीलैण्ड की डेयरी कृषि में एक क्रान्ति आई है।

न्यूजीलैण्ड में डेयरी व्यवसाय में लगे श्रम का 90% भाग स्थानीय है। यहाँ डेयरी उद्यम के विकास के लिए सहकारी समितियाँ स्थापित की गई हैं। यहाँ के डेयरी पदार्थ गुणवत्ता की दृष्टि से विश्व में सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं। विश्व के मक्खन निर्यात का 29% अकेले न्यूजीलैण्ड के द्वारा नियन्त्रित किया जाता है। न्यूजीलैण्ड के डेयरी पदार्थ कई हजार किमी. की दूरी तय करने के उपरान्त भी ग्रेट ब्रिटेन के बाजारों में स्थानीय डेयरी

पदार्थों की अपेक्षा सस्ते मिलते हैं। इसका प्रमुख कारण भौगोलिक एवं आर्थिक परिस्थितियों का अनूकूलतम संयोग है।

चित्र 3.4 : विश्व मे व्यापारिक डेयरी कृषि के प्रमुख क्षेत्र

4. **ऑस्ट्रेलिया**—व्यापारिक दुग्धोत्पादन कृषि की दृष्टि से ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में विक्टोरिया, न्यूसाउथवेल्स तथा क्वीन्सलैण्ड का दक्षिणी-पूर्वी भाग महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह न्यूजीलैण्ड के बराबर ही मक्खन का उत्पादन करता है।

5. **अन्य डेयरी पशुपालन क्षेत्र**—उपर्युक्त चार महत्वपूर्ण दुग्ध उत्पादक क्षेत्रों के अलावा अर्जेन्टाइना के लाप्लाटा बेसिन में डेयरी पशुपालन का विकास हुआ है। यूराग्वे में डेयरी पशु अल्फाफा तथा चारा फसलों को उगाकर पाले जाते हैं। दक्षिणी अफ्रीका के मध्यवर्ती उच्च प्रदेश में भी डेयरी पशुपालन विकसित हुआ है।

व्यापारिक डेयरी कृषि अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ (Characterstics of Commercial Dairy Farming Economy)

(i) इस अर्थव्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य सर्वाधिक विकसित व दक्ष तकनीक के माध्यम से दूध से निर्मित पदार्थों का व्यापारिक स्तर पर उत्पादन करना तथा उत्पादन का अधिकांश भाग समीपवर्ती नगरों व विदेशों को भेजकर पूँजी अर्जित करना होता है।

(ii) इस अर्थव्यवस्था में विस्तृत कृषि फार्मों पर लम्बी व पोषक घासों की कृषि करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण चारा फसलें पशुओं के भोजन की आपूर्ति के उद्देश्य से उगायी जाती हैं।

(iii) यह कृषि ऐसी अर्थव्यवस्था है, जिसमें अन्य कृषि अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक पूँजी, कृषि यन्त्र तथा मशीनों का उपयोग किया जाता है। साथ ही पशुओं को पालने के लिए अपेक्षाकृत अधिक एवं दक्ष श्रम की आवश्यकता पड़ती हैं। इस कृषि में सतत् रूप से सक्रियता एवं सजगता का रहना आवश्यक होता है।

(iv) दुग्ध पशुपालन के साथ-साथ कृषि फार्मों पर सब्जियों, फलों, गेहूँ, चुकन्दर तथा कुछ मोटे अनाज की फसलों का उत्पादन भी स्थानीय आपूर्ति के लिए किया जाता है।

(v) सामान्यतया व्यापारिक दुग्ध पशुपालन कृषि उन्हीं भागों में लाभप्रद है, जो नगरीय बाजारों के समीप हैं तथा जहाँ दूध, मक्खन, पनीर तथा माँस बेचने की सुविधाएँ सुलभ हैं। परिवहन के तीव्रगामी साधनों की अनुपस्थिति में व्यापारिक दुग्ध कृषि (Commercial Dairy Farming) सफल नहीं हो सकती, क्योंकि दूध एक शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तु है। ताजा दूध भेजने की अधिकतम दूरी उतनी ही हो सकती है, जितनी दूरी एक रेलगाड़ी या ट्रक एक रात्रि में तय कर सकें। क्रीम को ताजा दूध की तुलना में दुगुनी दूरी तक भेजा जा सकता है। पनीर को विश्व के किसी भी भाग में किसी समय भेजा जा सकता है। आधुनिक समय में शीत-ताप

नियन्त्रित यानों में विकसित परिवहन साधनों के माध्यम से दूध एवं दूध निर्मित पदार्थों को एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक भेजा जाने लगा है।

(vi) व्यापरिक दुग्ध पशुपालन कृषि अर्थव्यवस्था में कृषि फार्मों का कुशल प्रबन्धन दक्ष व्यक्तियों के माध्यम से किया जाता है तथा इन फार्मों पर अधिक दूध देने वाले उत्तम नस्ल के दुधारू पशुओं विशेष रूप से गायों की प्रधानता होती है। दुग्ध व दुग्ध पदार्थों के परिवहन के लिए त्वरितगामी परिवहन साधनों की सुगम उपलब्धता रहती है।

(vii) इस अर्थव्यवस्था में पशुओं से दूध दुहने का कार्य मशीनों के माध्यम से किया जाता है तथा इनके स्वास्थ्य का सामयिक परीक्षण होता रहता है तथा अस्वस्थ पशु को तत्काल चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं।

प्रश्न (QUESTIONS)